Institutional Distinctiveness

College vision is to make students and staff progressive thinker, keeping in view and apart from classroom teaching learning, the college thrives for going out of ones limit to work for community and addressing societal issues. The college is constantly focusing on moulding future generation to lead from the front and resolve the issue. From this year the college has taken most recent cause of the environmental concern which the whole world is facing for handling water scarcity.

The College has a unique identity across India to be an only college as registered member of **World Water Council since year 2017** and participate actively and represent India on global forum to stop privatization of natural resource water and strategies for its conservation.

Since UGC promotes community services the college student and staff are leading campaign across Mumbai University colleges and in Maharashtra, for serious issues of water scarcity and rejuvenation of local Kamvari River in collaboration with Bhiwandi Corporation and Thane Collector office. Bhiwandi is industrial hub and warehouses and all most all water bodies are polluted. Hence this initiative is taken as priority to sensitize young generation towards national crisis.

The college under the dynamic leadership of Principal who is also Jalnayakof Maharashtra (GR no. dated T-5/jalshi/jalnayak/277/05/17 dated 03/05/2017 from Office of VibhagiyaAyuktKonkanVibhag, RozgarhamiyojanaShakha, belapurNavi Mumbai) has initiated for working towards river rejuvenation of KAMWARI river of Bhiwandi city and create awareness among the general public and local Government authority.

The efforts of the Principal along with the students participation for creating awareness converted into following :

Sr. No.	Date	Place	Work
1	115/08/2018	Rally for water conservation & Tree plantation	The rally was organized from college to Varaldevi lake for creating awareness among the people. The Tree plantation was carried near the Lake.
2	15/08/2018	BNCMC office	Water Oath taking by the Commissioner, Shri Manohar hire, Mayor Shri Javed Dalvi, BNCMC officials, Principal, staff and students & unveiled display notice boards near Lake and River for public
3	31/08/2018	College Auditorium	Organized workshop on Water Conservation for Training NSS Volunteers & NSS Programme Officers on Water conservation and rejuvenation practices-
4	29/09/2018	Kamvari River Bank, Tilak Ghat	The Ganga Peace march and rally for river was organized from college to Tilak Ghat. Street play was performed by NSS students to spread the awareness about Kamwari river conditions

			and draw attention of government officials
5	10/10/2018	BDO Office	Conducted workshop and meetings of Gram Sevaks visited villages in Bhiwandi Taluka with Gram Sarpanch.
6	15/12/2018	College Conference Room	The meeting was organized by Principal with the BNCMC Mayor, Shri Javed Dalvi and officials of Water department of BNCMC for framing plan of action for Kamwari river rejuvenation. For this purpose, water man of India and Stockholm prize awardee Dr.Rajendra Singhji was specially invited to look into the matter and share his expertise.
7	29/12/2018	-	Kamvari project proposal submitted for 5 Lakh funding for scientific diagnosis is approved by Bhiwandi Corporation Mahasabha
8	26/01/2019	Tilak Ghat, Kamwari River	Human Chain Formation to save the river for creating the awareness among the public
9	07/02/2019	Office	Meeting conducted with Few Bhiwandi corporators to review the polluted river systems.

नवभारत

कामवारी नदी को बचाने की कवायद

जिलाधिकारी कार्यालय में बैठक संपन्न

भिवंडी, सं. भिवंडी मनपा की सीमा पर बहने वाली कामवारी नदी में बढ़ रहे प्रदूषण, नदी के किनारे हो रहे अतिक्रमण को रोककर नदी को बचाने तथा नदी के प्रवाह को सतत करने के लिए डॉ. स्नेहल दोंदे का प्रयास रंग लाया है. डॉ. दोंदे के अनुसार ठाणे जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर ने कामवारी नदी को बचाने के लिए तुरंत इस संदर्भ में जिला अधिकारी कार्यालय में संबंधित शासकीय यंत्रणा के साथ बैठक कर योग्य कदम उठाने का आदेश दिया है. ठाणे जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर की अध्यक्षता में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला परिषद, भिवंडी महानगरपालिका, एमएमआरडीए, प्रदूषण नियंत्रण मंडल, नगररचना विभाग के अधिकारियों के साथ डॉ. स्नेहल दोंदे उपस्थित थी.

डॉ. स्नेहल दोंदे का प्रयास रंग लाया

इस बैठक में डॉ. दोंदे ने नदी किनारे पर अतिक्रमण तथा जल प्रदूषण के संबंध में की गई शिकायतों को सविस्तार बताया. साथ ही पानी माफिया तथा शहर की डाईंग, साइजिंग और अन्य कंपनियों द्वारा केमिकल युक्त पानी छोड़े जाने पर रोक लगाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण मंडल से कार्रवाई करने की मांग की. साथ ही उक्त सभी कंपनियों में पानी के शुद्धिकरण प्लांट लगाने की मांग की. उन्होंने बताया कि नदी के किनारे की देखभाल करने के लिए महाविद्यालय के राष्ट्रीय छात्र सेना के विद्यार्थी करने वाले हैं.

- नदी के पानी की वैज्ञानिक जांच के लिए तथा अन्य उपायोजना करने हेतु भिवंडी महानगरपालिका की तरफ से 5 लाख रुपए मिलने की जानकारी दी गई. इस संदर्भ में शीघ्र ही ठोस योजना बनाकर सार्थक कदम उठाने का आदेश ठाणे जिलाधिकारी ने दिया.
- इस संदर्भ में डॉ. स्नेहल दोंदे ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर गंगा शुद्धीकरण के साथ विभिन्न नदियों के संदर्भ में रिसर्च कर जानकारी करने वाले नेशनल इंजीनियरिंग इन्वायरमेंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के माध्यम से जिलाधिकारी द्वारा कामवारी नदी का शुद्धिकरण करने वाले हैं.
- शासन स्तर पर अच्छा प्रतिसाद मिलने से नदी को बचाने के लिए नई रोशनी मिलने के साथ समाधान निकलने की पूरी आशा व्यक्त की जा रही है.

Navabharat Thane Navi Mumbai Edition
11 Feb, 2019 Page No. 4

दैनिक यशोभूमि

वर्ष २३ . अंक ३२२ . मुंबई, बुधवार, १९ दिसंबर, २०१८ पृष्ठ १४ . मूल्य ५.०० रुपये

कामवारी नदी बचाओ अभियान की शुरुआत

भिवंडी, भिवंडी की पुरातन पहचान मानी जाने वाली कामवारी नदी बचाओ अभियान की शुरूआत डाक्टर राजेन्द्र सिंह के द्वारा की गयी। भिवंडी स्थित ओसवाल महाविद्यालय के कांफ्रेंस हाल में स्नेहिल दोंदे ने अपने प्रस्तावना में बताया कि कभी भिवंडी में कामवारी नदी के किनारे बंदरगाह हुआ करता था जहां एक बड़ी मंडी लगती थी। लेकिन दुर्भाग्यवश आज इस नदी के किनारे अवैध अतिक्रमण के कारण नदी एक नाले में तब्दील हो गई है जिसमें तबेले का मलयुक्त पानी तथा डाईंग का मलयुक्त पानी छोड़ने के कारण पानी दूषित व विषैला हो गया है। उक्त संदर्भ में महापौर जावेद दलवी ने कहा कि २००८ से ही हमने इसके बारे में मुख्यमंत्री और संबंधित अधिकारियों से पत्र व्यवहार करके नदी की सफाई की गुहार लगाई है लेकिन यहां पर कामवारी नदी भी राजनीति भंवरजाल में फंसने के कारण इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। वहीं डॉ. राजेन्द्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिलाधिकारी तहसीलदार, मनपा पानी आपूर्ति विभाग, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल व महाविद्यालय के विद्यार्थियों की एक कमेटी बनाकर गहराई से पानी की जांच व इसके लिये गंभीरता से वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन किया जाना जरूरी है। इस ऐतिहासिक नदी को बचाने के लिये हम सब की जवाबदारी बनती है। उक्त अवसर पर किशोर धारिया, स्नेहिल दोंदे, प्रदीप पप्पू राका, गजानन शेटे, फौजिया अंसारी, एल.पी. गायकवाड, संदीप पटनावर, आचार्य सूरजपाल यादव, संजय एम भोईर आदि भी उपस्थित थे ।

पश्चिम रेलवे

कन्वेयर बेल्ट की खरीद

मुख्य अभियंता (टीएमसी), पश्चिम रेलवे, मुख्यालय, चर्चगेट, मुंबई-४०००२० द्वारा निम्न स्वरूप दिये गये विवरणानुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :- ई-निविदा सं. : डब्ल्यू६४१/२२/१७/२०-बी. कार्य का नाम : ट्रैक मशीन के लिए कन्वेयर बेल्ट की खरीद (बनावट : स्वदेशी). अनुमानित कीमत : रु. ८,३४,८२०.०२. ईएमडी : रु. १६,७००/-. निविदा बंद होने की तिथि : ०८.०१.२०१९ को ११.०० बजे [illegible]

पुढारी

■ जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंग यांचे प्रतिपादन; भिवंडीत कामवारी बचाओ अभियानाला प्रारंभ

नदी प्रदुषित राहिल्यास नागरिकांच्या आरोग्यावर परिणाम

भिवंडी : वार्ताहर

भिवंडी शहरालगत वाहणारी कामवारी नदीपात्रात झालेले अतिक्रमण व नजीकच्या उद्योग व्यवसायामुळे होणारे जल प्रदूषण यामुळे मरणासन्न झाली आहे. या नदीच्या पुनरुत्थानासाठी भिवंडीतील ओसवाल महाविद्यालयाच्या प्राचार्या डॉ. स्नेहल दोंदे यांनी प्रयत्न सुरू केले आहे. त्याचाच एक भाग म्हणून कामवारी बचाओ अभियानाचा शुभारंभ नुकताच भारतातील जलपुरुष म्हणून ओळखले जाणारे मॅगसेसे पारितोषिक विजेते डॉ. राजेंद्र सिंग यांच्या शुभहस्ते करण्यात आला. यावेळी महापौर जावेद दळवी, जल बिरादरीचे किशोर धारिया, प्रदीप पप्पू राका, गजानन शेटे आदी उपस्थित होते.

या प्रसंगी डॉ. राजेंद्र सिंग यांनी स्नेहल दोंदे यांच्या प्रयत्नांची प्रशंसा करतानाच कामवारी नदी ही प्रदूषणामुळे गटारगंगा झालेली असून ती मरणासन्न अवस्थेत आली आहे. तिला पुन्हा पूर्व रूप मिळवून देण्यासाठी या नदीचे दु:ख प्रथम समजावून घेऊन नदीच्या परिसराचा सामाजिक अभ्यास व नदीपात्रातील पाण्याचा वैज्ञानिक अभ्यास सर्वप्रथम करून अहवाल तयार करावा लागेल. नदी किनारी राहणाऱ्या नागरिकांना नदी गटारगंगा हवी की सदा निखळ पाणी वाहणारी नदी हवी हे विचारणे गरजेचे आहे. नदी प्रदूषित राहिली तर नागरिक आजारी राहतील याची जनजागृती तेथील नागरिकांमध्ये घडवून आणावी लागेल. त्यासाठी महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांनी पुढाकार घ्यावा तर वैज्ञानिक अहवाल तयार करण्यासाठी त्यातील जाणकारांसोबतच महानगरपालिका, महसूल प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग यांच्या सोबतीने काम करणेचे गरजेचे आहे. जोपर्यंत नदीची समस्या पूर्ण समोर येणार नाही तोपर्यंत त्यावरील उपाय तोकडे पडतील. या कार्यात भिवंडी महानगरपालिका महापौर जावेद दळवी, आयुक्त मनोहर हिरे हे स्वत: वैयक्तिक लक्ष देत असल्याबद्दल समाधान व्यक्त करत या नदीला वाचविण्याची जबाबदारी सर्वांची असल्याची भावना निर्माण झाल्यास हे कार्य सहज शक्य असल्याचे शेवटी डॉ. राजेंद्र सिंग यांनी सांगितले.

महापौर जावेद दळवी यांनी या नदीच्या संरक्षणासाठी महानगरपालिकेकडून केल्या गेलेल्या प्रयत्नांची माहिती दिली. या नदीच्या कामासाठी स्वर्गीय विलासराव देशमुख यांनी केलेल्या शासकीय मदतीचा उल्लेख केला. सध्याच्या शासनाकडे राजकारण बाजूला सारून या नदीच्या संरक्षणासाठी मदतीची अपेक्षा व्यक्त केली. तर प्रारंभी प्राचार्या डॉ. स्नेहल दोंदे यांनी मान्यवरांचे स्वागत केले. तर या अभियानाच्या उपक्रमात भिवंडी महानगरपालिका, पंचायत समिती, प्रदूषण नियंत्रण मंडळ, जिल्हा परिषद अधिकारी, महाविद्यालयातील विद्यार्थी उपस्थित होते.

Dombivali -Badlapur Fast Edition
17 Dec, 2018 Page No. 1
Powered by : erelego.com

Lokmat Times

BOTTOMLINE

Human chain for stopping river pollution

Namami Goda Foundation and Sai Classes launched a campaign for cleaning the river

LOKMAT NEWS NETWORK
NASHIK, DEC 22

Nandini River, which is the main tributary of river Godavari has got polluted due to sewage and MIDC's chemical effluents. It has turned into a the gutter Nasardi and this pollution is increasing. Due to the serious effects to the health of the citizens, the students formed a human chain to protest against the pollution in the river.

'Nasik's mother, Godamai ..!', 'Namami Goda' such slogans were raised by students of Sai and Saikrishna coaching classes. On Saturday, over a hundred students and youth formed a human chain. They all vowed to get rid of river pollution. This human-chain campaign will be continued till Nandini river becomes free from pollution. The head of Namami Goda Rajesh Pandit, teachers of Sai Classes, Sagar Parewal, Sunita Bawne, Vijay Sonawane guided the students and Godasevak youth.

At this time, Nitin Hingmire, Rohit Gosavi, Atish Patil, Manoj Sawant, Kunal Jadhav, Swapnil Jadhav, Uday Mule, Rohit Kulkarni, Rohan Katkade, Sachin Mahajan, Mayur Lavte, Ravi Wagh, Swapnil Thombre, Darshan Shirude, Pankaj Mahajan, Rameshwar Mahajan, Chandan Khatale, Rohit Tarabalkar and others were present.

The people and the administrative authorities, were requested to prevent the release of effluent chemicals from MIDC into Nandini river, and the citizens were requested not to waste water, throw garbage and carry out cleanliness campaigns in the rivers.

> Participation of all Nashikars is important - if the river gets polluted then it has a major impact on all of us. Let the river be pollution free! Nashikkars should give full support.
> — **Sagar Parewale,** Teacher, Sai Classes

> Do not pollute the environment. Don't use plastic and stop the use of plastic bags yourself. Plant trees and help them survive.
> — **Rutuja Murtadak,** student

> Action should be taken against waste and sewerage disposal - Action should be taken against the citizens or the administrative officials who are polluting and polluting water of Nandini river and leaving the waste.
> — **Kalyani Hitapay,** Student

Nashik First
Page No. 3 Dec 23, 2018
Powered by: erelego.com